



विल्किंसन की बाज़ार हिस्सेदारी

1960 और 1970 के दशकों के बीच शेविंग का बाज़ार अब भी ज़्यादातर पारंपरिक ब्लेडों तक सीमित था, और हर निर्माता अपनी तरफ़ से पूरी कोशिश करता था।

उद्योग प्रचार से चलकर क़ायल करने तक आया था, और फिर उस चीज़ में जा पहुँचा था जिसे फ़रमाइश पर की गई नक़ल के सिवा कुछ नहीं कहा जा सकता। हर कंपनी उसी एक अनलिखे नियम पर चलती थी।

अगर आपको किसी एक उत्पाद की बिक्री बढ़ानी होती, तो मार्केटिंग हमेशा वही एक हल सुझाती:

कपड़े बदल दो। नाम बदल दो। बदन वही रहता है।

फिर भी कभी-कभी ख़रीदारों से ज़ब्बाती रिश्ता जोड़ने के लिए एक अकेला शब्द काफ़ी होता था।

बोलज़ानो ब्लेड्स के साथ ठीक यही हुआ।

बोलज़ानो के इस्पात कारख़ाने ने फ़ाल्को ब्लेड के नाम से ब्लेड बनाना शुरू किया, जो आगे चलकर मशहूर बोलज़ानो ब्लेड बना।

350 कर्मचारी, जिनमें ज़्यादातर औरतें थीं, महीने में बीस लाख ब्लेड बनाते थे। और यह कोई संयोग नहीं था।

एक राजनीतिक ब्योरा भी है, जिसका ज़िक्र कम ही होता है।

यह कारख़ाना मुसोलिनी की सरकार की एक सीधी नीति के तहत खड़ा किया गया था, जिसका मक़सद बोलज़ानो में औद्योगिक विकास को बढ़ावा देना और दक्षिण टिरोल के इतालवीकरण को आगे बढ़ाना था, वह इलाक़ा जो महायुद्ध के बाद हासिल हुआ था, मगर जहाँ ज़्यादातर जर्मन बोलने वाले समुदाय बसे थे।

इसलिए बोलज़ानो ब्लेड्स एक औद्योगिक उत्पाद भर नहीं थे।

वे राष्ट्रीय पहचान का एक औज़ार भी थे।

विज्ञापन का नारा मतलब निकालने की ज़्यादा गुंजाइश नहीं छोड़ता था:

“बोलज़ानो ब्लेड, इतालवी ढंग से शेव करो।”

जंग के बाद की आर्थिक तेज़ी इस ब्रांड की भी तेज़ी बन गई। बोलज़ानो इटली के आम उपभोग के प्रतीकों में से एक बन गया।

फिर 1970 का दशक आया।

डिस्पोज़ेबल रेज़र आ गए।

ढलान शुरू हो गई।

ब्रांड खुद को ढालने में जूझता रहा, जब तक कि एक आखिरी कोशिश नहीं की गई।

एक प्रेस विज्ञप्ति ने गर्व से ऐलान किया:

“बोलज़ानो ब्लेड लंदन की विल्किंसन स्वॉर्ड का आधिकारिक सप्लायर है।”

इतालवी पत्रकार इस ऐलान की खबर बनाने दौड़ पड़े।

यह वह बम था जो जंग खत्म हो चुकने के बाद फटा।

नतीजे फ़ौरन सामने आए।

एक पत्रकार ने, जो एक महिला थीं, कमाल की होशियारी से इंटरव्यू लिया।

बड़ी सावधानी से ज़मीन तैयार करने के बाद उन्होंने मैनेजिंग डायरेक्टर से पूछा:

“आप जितने ब्लेड बेचने का दावा करते हैं, क्या उस गिनती में चाकू भी शामिल हैं?”

अधिकारी सन्न रह गया।

“आप मुझसे यह क्यों पूछ रही हैं?”

पत्रकार ने जवाब दिया:

“ताकि आप उनमें से एक से वह सारी बकवास काट सकें जो आप हमें सुना रहे हैं।”

कमरा ठहाकों से गूँज उठा।

विल्किंसन ने कभी जवाब नहीं दिया।

जैसा कि उसका अंदाज़ था।

ऊँचे खानदान की एक कुलीन मौसी, जो इतालवियों को खाना ही पसंद नहीं करेगी, महज़ इसलिए कि बाद में उन्हें पचाना न पड़े।

आज उस महान औद्योगिक साहसिक सफ़र का बहुत कम बचा है।

एक गोलचक्कर।

एक साइनबोर्ड।

कुछ धुँधलाती यादें।

और वह बकवास, जिससे इतालवी — और सबसे पहले मैं खुद — आज भी शान से मोहब्बत करते हैं।

वाया यूके
फर्दिनांदो